टिम टिम तारे

Aparajitha

सफलता के बीज

अप्रैल
2018

26

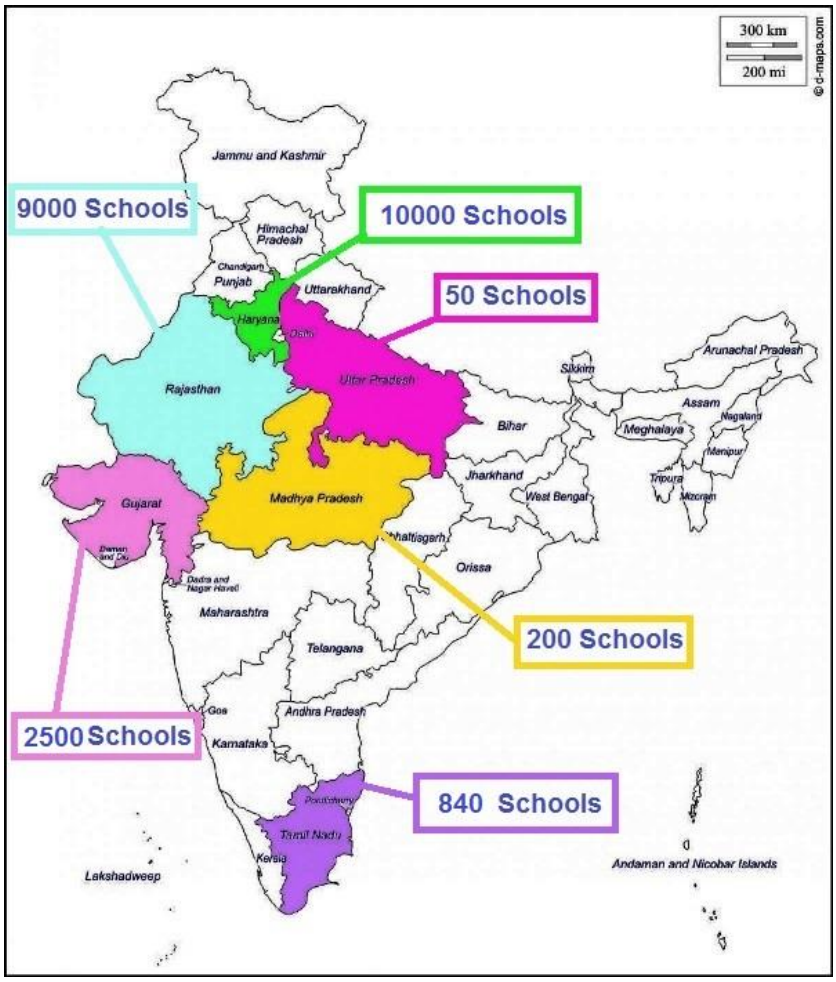

विषय-सूची पृष्ठ

नमस्ते!	2
पदचिह्न	3
गूंज	8

States Covered	Districts Spread	Languages	Schools Covered	Students Impacted
6	86	3	22590	16,94,250

अपराजिथा फाउंडेशन्स
5A, वी.पी.रथिनास्वामी रोड,
बीबीकुलम
मदरुई- 625002.
www.aparajitha.org
0452-4375252
info@aparajitha.org

जागरुकता से परिवर्तन की ओर

नमस्ते!

टिम टिम तारे **तीन** भाषाओं में, 6 राज्यों के 22590 स्कूलों से,16,94,250 विद्यार्थियों तक पहुँच चुका है| इस अंक का पहला लेख आपके साथ साझा करता है कि आधुनिक तकनीककी मदद से यह उपलब्धि कैसे प्राप्त कीगई। टिम टिम तारे द्वारा अब तक, 3 भाषाओं में,100 विषयों का प्रयोग करते हुए, दस प्रमुख कौशलों का शिक्षण दिया जा चुका है। अन्य लेखों में विवरण दिया गया है कि किस प्रकार टिम टिम तारे एक चिरस्थायी विकास कार्यक्रम का हिस्सा बन गया है; पश्चिमी घाट के छोटे-छोटे गाँवों तक पहुँच गया है और दक्षिण तमिल नाडु के एक प्रतिष्ठित कॉलेज में हाल ही में कार्यान्वित किया गया है।

पढ़ते रहिए..... अपने विचार और राय हमारे साथ साँझा करिए.... दूसरों को भी इस सूचना-पत्र के बारे में बताइए..... अगली पीढ़ी को सश्क्त बनाने के इस मिशन में हमारा साथ दीजिए!

आपके निरंतर समर्थन और सुझावों की प्रतीक्षा में।

संपादक – मंडल

टिम टिम तारे, कक्षा *7* से *12* के विद्यार्थियों को जीवन कौशल शिक्षण प्रदान करता है। डबल्यूएचओ *(WHO)* द्वारा दिए गए दस कौशलों की सूची के आधार पर बनाए गए ये पाठ विद्यार्थियों को सुखद आनुभविक शिक्षा प्रदान करते हैं। प्राथमिक स्तर पर ये पाठ शिक्षकों की पुस्तिका के आधार पर और माध्यमिक व उच्च स्तर पर विडियो द्वारा करवाए जाते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य है: विद्यार्थियों को ज़िम्मेदार नागरिक बनाना और *2008-2009* के दौरान इसे *5* उच्च माध्यमिक स्कूलों में प्रारंभ किया गया था। *2009-10* में इसे तमिलनाडु सरकार द्वारा, तमिल नाडु के सभी माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्कूलों में लागू किया गया। इसके पश्चात, ये प्राथमिक स्कूलों, सरकार की सहायता से चलने वाले निजी स्कूलों और इस कार्यक्रम में रुचि दिखाने वाले अन्य स्कूलों में भी लागू किया गया। अब यह कार्यक्रम तमिल नाडु, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश और हरियाणा में कार्यान्वित है।

(इस अंक के लेखों का अनुवाद अंग्रेज़ी से हिन्दी में प्रीति पुरोहित द्वारा किया गया है।)

पदचिह्न

*(*घटनाएँ: जनवरी – मार्च ***2018)***

केवल दो दिनों में टिम टिम तारे ने 9.25 लाख विद्यार्थियों के जीवन में कदम रखा

टिम टिम तारे को हरियाणा और राजस्थान में अपार सफलता मिली है। शैक्षणिक सैटललाइट EDUSAT के प्रयोग से दो दिनों में, 19,000 स्कूलों के 9,25,000 विद्यार्थियों को जीवन कौशल शिक्षण दिया गया। भारत में पहली बार सैटललाइट टेकनोलोजी द्वारा जीवन कौशल आधारित शिक्षण प्रदान किया गया है।

भारत में पहली बार सैटललाइट टेकनोलोजी द्वारा जीवन कौशल शिक्षण प्रदान किया गया है।

टिम टिम तारे जीवन कौशल शिक्षा, दस वर्ष पहले तमिल भाषा में एक छोटे कार्यक्रम के रूप में मदुरई के 5 स्कूलों से शुरू हुई और 465 विद्यार्थियों ने इसका लाभ उठाया। इसके बाद इसे तमिल, गुजराती और हिन्दी भाषाओं में छह राज्यों:- तमिलनाडु, गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में दिसंबर 2017 तक डीवीडी द्वारा प्रसारित कर कार्यान्वित किया गया। जनवरी 2018 में, श्री राजीव रत्तन (I.A.S.), निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, हरियाणा सरकार, ने

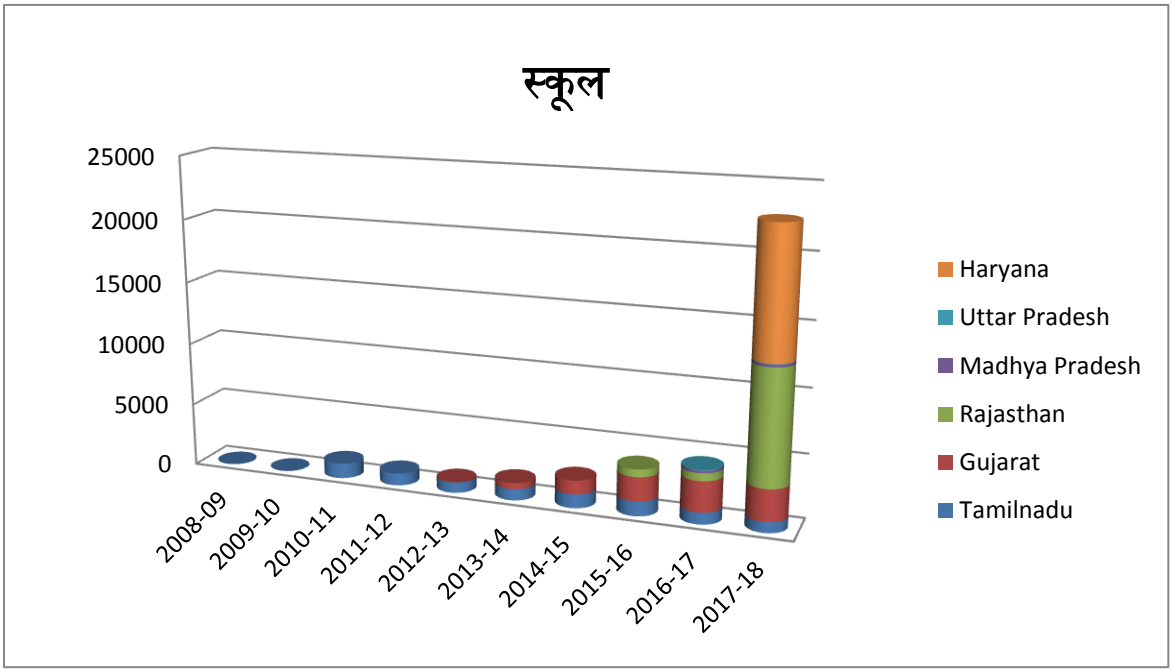

आदेश दिए की ये विडियो EDUSAT की मदद से प्रदेश के सब स्कुलो में दिखाए जाएँ। यह कार्य सहायक निदेशक श्री नन्द किशोर, कार्यकर्म अधिकारी श्री प्रमोद कुमार, सुश्री प्रियंका, श्रीमान संजय कुमार इंजीनियर, सुश्री मेघा गर्ग और जनरल मैनेजर श्री नीरज वर्मा की सहायता से 20 जनवरी 2018 को प्रसारित हुआ । इसके परिणामस्वरूप हरियाणा प्रदेश के लगभग 10,000 स्कूलों में पढ़ने वाले 2,50,000 विद्यार्थियों ने पाठ"जीतकामंत्र: परोपकार" के बारे में सीखा। उन्होंने पाठ सीखने के दौरान कुछ गतिविधियाँ भी की, जैसे कि अभिनय, अनुभव साझा करना इत्यादि । इस प्रारंभिक कार्यक्रम की अपार सफलता के बाद अगले ही महीने 24 फरवरी 2018 को पाठ "जीत का मंत्र: बरबादी को रोकना" और 24 मार्च 2018 को पाठ "जीत का मंत्र: दूसरों की संपत्ति का आदर करना" प्रसारित किया गया।

हरियाणा

10000
स्कूल

250000
विद्यार्थी

3
प्रसारण

[हरियाणा (बाएं से दाएं) (पहली पंक्ति) मुकेश - नानकी – डॉ. नेहा
(दूसरी पंक्ति) भारत भूषण -रहमदीन - विरल - नितिन – अजीत सिंह

टिम टिम तारे का प्रारंभिक कार्यक्रम खेरवाड़ा (राजस्थान) के स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल में, प्रधानाचार्य श्री दिनेश व्यास की व्यक्तिगत पहल का परिणाम है। उन्होंने यह कार्यक्रम राजस्थान सरकार, माध्यमिक शिक्षा की डिप्टी निदेशक डॉ. रचना शर्मा की अनुमति से किया गया । इसके पश्चात श्री नरेश पाल गंगवार (IAS) प्रिंसिपल सेक्रेटरी, राजस्थान सरकार, स्कूल शिक्षा विभाग, ने आदेश दिया कि यह कार्यक्रम 71 मॉडल स्कुलो और 1340 आदर्श उच्च विद्यालय में भी चलाया जाए । यह उल्लेखनीय है कि हमने माननीय प्रिंसिपल सेक्रेटरी से केवल मॉडल स्कूलों के बारे में अनुमति माँगी थी, परन्तु उन्होंने इसे आदर्श स्कूलों में भी लागू करवाया। इसके बाद सुश्री आनंदी (IAS), निदेशक, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान, राजस्थान सरकार, ने EDUSAT द्वारा टिम टिम तारे के

पाठ प्रसारित करने की पहल की। डिप्टी निदेशक श्री दिनेश गुप्ता और श्री महेन्द्र कुमार गुप्ता ने सुनिश्चित किया कि यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक आगे बढ़ सके। इसके फलस्वरूप 9000 स्कूलों में पढ़ने वाले 6,75,000 विद्यार्थियों ने मार्च 23 को EDUSAT द्वारा, पाठ "जीत का मंत्र: सार्वजनिक यातायात में शिष्टाचार" का लाभ उठाया। इस प्रसारण को ध्यानपूर्वक देखने वाले एक शिक्षक ने कहा, "अगर आप उत्कृष्ट शैक्षणिक कार्यक्रम को, आधुनिक तकनीक का प्रयोग करते हुए विद्यार्थियों के लिए प्रस्तुत करेंगे, तो इससे हम शिक्षा के जगत में बहुत बड़े बदलाव ला सकते हैं।"

गुजरात टीम

जिसने राजस्थान और हरियाणा में इस कार्यक्रम को लागू करने का कार्य किया।
(बाएं से दाएं) कृणाल – धवल – मयूरी – कृष्णा- अजीत सिंह – विरल – तेजस - नीलेश

राजस्थान

9000
स्कूल

6th,7th& 8th
कक्षाएँ

675000
विद्यार्थी

1
प्रसारण

आने वाले वर्षों में, ये प्रयास इसे तरह जारी रहेंगे और हज़ारों विद्यार्थी इसका लाभ उठाएँगे। इस प्रयास को कई और राज्यों तक पहुँचाने की हमारी प्रक्रिया जारी है। दस वर्ष पहले छोटे-छोटे कदम भरते हुए यह कार्यक्रम 5 स्कूलों में शुरू हुआ था, फिर डीवीडी सत्रों के रूप में यह और गतिशील हुआ और अब सैटलाइट प्रसारण के द्वारा इसने एक लंबी छलांग ली है और बहुत आगे पहुँच गया है। यह सब हरियाणा और गुजरात की टिम टिम तारे टीम और श्री नितिन देसाई के सहयोग की वजह से हो पाया है।

चिरस्थायी विकास में TTT (थलित थिरन थिट्टम)

सुज़लोन फाउंडेशन की CSR पहल में चिरस्थायी ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के लिए वित्तीय, प्राकृतिक, सामाजिक, मानव और भौतिक संसाधनों के विकास पर ध्यान दिया जाता है। यह कार्यक्रम कोयमबत्तूर और तिरुपुर जिले में इमायम फाउंडेशन द्वारा चलाया जाता है। इस योजना में इन दो जिलों के 11 माध्यमिक स्कूलों में मानव संसाधन विकास पर ध्यान दिया जा रहा है|

शिक्षक प्रशिक्षण

TTT की मदद से मानव संसाधनों को सुधारना

इमायम फाउंडेशन ने TTT का प्रयोग करते हुए जीवन कौशल शिक्षा प्रदान करने का प्रयास किया है। इससे इन स्कूलों के 800 विद्यार्थियों को अन्य विषयों के साथ-साथ जीवन कौशल सीखने का मौका मिल रहा है। इसके साथ-साथ फरवरी 20 और 21, 2018 को 34 शिक्षकों को प्रशिक्षण भी दिया गया जिससे वे जीवन कौशल सीखने में विद्यार्थियों की मदद कर सकें। 200 विद्यार्थियों के समक्ष मॉडल क्लास भी ली गई।

कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए TTT

हालांकि TTT को मूल रूप से स्कूल के विद्यार्थियों के लिए बनाया गया था, पर विशेषज्ञों का यह मानना है कि TTT कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए भी उपयुक्त है। इस बात से श्री हरि त्यागरजन भी सहमत हैं और मदुरई के त्यागराजर कॉलेज के सेक्रेटरी के तौर पर उन्होंने TTT द्वारा अपने विद्यार्थियों को जीवन कौशल शिक्षण देने का निश्चय किया। कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. पन्डियाराजा और प्लेसमेन्ट ऑफिसर श्री राजेश के सहयोग से यह संभव हो पाया।

19 मार्च 2018 को TTT त्यागराजर कॉलेज में शुरू हुआ। पाठ"जीतकामंत्र: लक्ष्य बनाना" बी.ए (अर्थशास्त्र) के पहले वर्ष के विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

"TTT कॉलेजकेविद्यार्थियों के लिए भी उपयुक्त है। "

त

मिलनाडु
त्यागराजर कॉलेज में सें थिलकुमार

मध्यप्रदेश में टिम टिम तारे

श्री संजय दूबे (IAS), डिविज़नल कमिशनर द्वारा टिम टिम तारे, इंदोर क्षेत्र में गत वर्ष शुरू किया गया। संजय जी इस बात पर पूरा ध्यान देना चाहते थे कि बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ जीवन कौशल सीखने का भी मौका मिले। हम उनके आभारी हैं, उनकी पहल के कारण ही टिम टिम तारे इंदौर पहुँच पाया। अगर मालवा में 30.12.2017 को शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। जिला कलेक्टर श्री अजय गुप्ता (IAS) ने सत्र का उद्घाटन किया और कहा कि स्कूलों के अलावा छात्रावासों में भी टिम टिम तारे सिखाया जाना चाहिए। जिला अध्यक्ष श्री राजेश शुक्ला और तहसीलदार श्री ओशिन विकटर ने भी हमें बहुत सहयोग दिया। इस प्रशिक्षण में 26 शिक्षकों और 40 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रोग्राम ऑफिसर श्री आनंद मिश्रा ने इस कार्यक्रम को बहुत अच्छी तरह आयोजित किया। इस कार्यक्रम को कुशलतापूर्वक चलाने की ज़िम्मेदारी श्री आनंद जी ने ली है और यह उनकी ही मेहनत का नतीजा है की इंदौर में यह कार्यक्रम इतने अच्छे ढंग से चल रहा है।

गुजरात में शिक्षकों का प्रशिक्षण

टिम टिम तारे ने गुजरात में 5 वर्ष पूरे कर लिए हैं। ऐसे कई शिक्षक हैं जो स्थानांतरण या फिर भर्ती की वजह से नए आए हैं। ऐसे शिक्षकों के लिए अहमदाबाद और वडोदरा जिले के 17 तालुक में 32 सत्रों का एक रिफ्रेशर कोर्स आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में 800 शिक्षकों ने भाग लिया।

गूंज

यह समाचार-पत्र पढ़कर अच्छा लगा। यह जानकर खुशी हुई कि राजस्थान और हरियाणा में मिली सफलता के बाद TTT अब मध्यप्रदेश पहुँच गया है। मुझे खुशी है कि ऑरोविल की स्कूल ने अपने पाठ्यक्रम में TTT को शामिल कर लिया है और उन्हें इसमें श्री ऑरोबिन्दो द्वारा दी गई शिक्षा की झलक दिखी। इस बात से अत्यंत प्रशंसा होती है कि लैंगिक समानता के सत्र के बाद लड़कियों का आत्मविश्वास बढ़ा है और लड़कों ने भी इसका समर्थन किया है। आज के समय में इस तरह के कौशलों को विकसित करने की बहुत आवश्यकता है।

आपकी टीम सराहनीय काम कर रही है। आपको बहुत-बहुत बधाई और आने वाले वर्ष में ज़्यादा से ज़्यादा बच्चों और बड़ों तक, इस कार्यक्रम के बहुमूल्य सत्रों को पहुँचाने के लिए मेरी शुभकामनाएँ।

- **डॉ. हरिप्रिया**
नेत्रविशेषज्ञ
- **अरविंद होस्पिटल,मदुरई**

बच्चों की शिक्षा को सुधारने के लिए आपके अथक प्रयास सराहनीय हैं।

- **डॉ.टी.एस.रामकुमार**
निदेशक
- **सेंटर फॉर सोशल रीकंसट्रकशन,नागरकोइल-*2***

मैं TTT की गतिविधियाँ शुरूआती दिनों से देखता रहा हूँ। पढ़कर खुशी होती है कि यह अब चार और राज्यों में पहुँच गया है। यह कार्यक्रम पूरे देश में फैले यही मेरी शुभकामना है।

- **आर. वेंकटरमन**
वरिष्ठ कंसलटन्ट
आर आर सन्स, मदुरई

इस समाचार पत्र के लेख स्पष्ट रूप से TTT के उद्देश्यों को दर्शाते हैं। गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश और अब हरियाणा- मुझे यकीन हो गया है कि हमारा TTT जल्द ही बाकी राज्यों तक भी पहुँच जाएगा।

- **मनिकंदनएपी**
एक्ज़ेक्यूटिव
कोम्पफाय, मदुरई